Dr. M. K. Jha
Dept of Sociology
V.S.J College
Rajnagar

Question- साक्षात्कार निर्देशिका क्या है? तथ्यों के संकलन में इसका महत्व समझाइए।

Ans- H. P. Yang के अनुसार "साक्षात्कार क्षेत्रीय कार्य की एक ऐसी प्रविधि है जो कि एक व्यक्ति या व्यक्तियों के व्यवहार की निगरानी करने, कथनों को अंकित करने व सामाजिक या सामूहिक अन्तःक्रिया के वास्तविक परिणामों को निरीक्षण करने के प्रयोग में ली जाती है।" अर्थात् साक्षात्कार प्राथमिक सूचना संकलन की प्रविधि है जिसमें उत्तरदाता के आमने-सामने अनुसंधानकर्ता होकर विभिन्न विषय के संदर्भ में प्रश्न पूछकर सूचनाएँ एकत्रित करते हैं। ऐसे साक्षात्कार की प्रक्रिया में ध्यान केन्द्रित करने के लिए और वास्तविक सूचना एकत्रित करने के लिए साक्षात्कार निर्देशिका (Interview guide) का प्रयोग किया जाता है।

साक्षात्कार निर्देशिका एक ऐसा प्रपत्र है जिसे साक्षात्कार के सफल संचालन और उसके द्वारा उपयोगी सूचनाएँ एकत्रित करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। इसी कारण किसी साक्षात्कार की प्रारंभिक तैयारी करते समय ही साक्षात्कार निर्देशिका को तैयार करना आवश्यक होता है। इसमें साक्षात्कार की योजना की संक्षिप्त रूपरेखा अंकित होती है।

साक्षात्कार निर्देशिका में अनुसूची अथवा प्रश्नावली की तरह कोई निश्चित प्रश्न नहीं होते, बल्कि अध्ययन-विषय के विभिन्न पहलुओं और विशेष दशाओं से सम्बन्धित सामान्य और उपयोगी निर्देश लिखे रहते हैं। Goode and Hatt के अनुसार साक्षात्कार निर्देशिका ऐसे प्रसंगों, विषयों अथवा विवरण की सूची होती है जिसे द्वारा साक्षात्कार लेने वाले व्यक्ति को विभिन्न प्रश्न पूछने के लिए प्रश्नों का क्रम, भाषा और तरीके की पूरी स्वतंत्रता होती है।

साक्षात्कार निर्देशिका में अध्ययन विषय के विभिन्न पहलुओं की सामान्य रूपरेखा निहित होती है तथा साक्षात्कार की पूरी योजना का सामान्य विवरण होता है। इसमें विभिन्न विषयों का उल्लेख इसलिए किया जाता है जिससे उत्तरदाताओं से वार्तालाप करते समय अनुसंधानकर्ता अपने मुख्य विषय पर ही केन्द्रित रहे। साक्षात्कार निर्देशिका में अध्ययन परिस्थिति, प्रक्रिया एवं आवश्यक सावधानी एवं निर्देश का उल्लेख रहता है जो भटकाव एवं बचना से दूर रखता है।

साक्षात्कार निर्देशिका

एक फुलस्केप अथवा और सफेद कागज पर निर्मित की जाती है फुलस्केप कागज के सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में साक्षात्कार निर्देशिका शीर्षक के रूप में लिखा रहता है। उसके नीचे साक्षात्कार से सम्बन्धित अध्ययन विषय को लिखा जाता है। इसके बाद एक क्रम में सबसे पहले उत्तरदाता से सम्बन्धित परिचयात्मक विवरण दिया जाता है इसके बाद अध्ययन विषय से सम्बन्धित उन विषयों को बहुत संक्षेप में लिखा जाता है जिनसे सम्बन्धित सूचनाएं उत्तरदाता से प्राप्त करना है।

महत्व :- Importance of Interview guide.

साक्षात्कार की प्रक्रिया में साक्षात्कार निर्देशिका का निम्न महत्व मान्य है जैसे

1. अध्ययन के प्रमुख तत्वों पर ध्यान :- साक्षात्कार निर्देशिका उपयोगी सूचना पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए प्रयोग किया जाता है फलतः मुख्य बिन्दुओं एवं प्रधान तत्वों को अवलोकित कर सूचनाओं को संकलित किया जाता है।

2. विभिन्न साक्षात्कारों द्वारा प्राप्त तथ्यों की तुलना :-
साक्षात्कार निर्देशिका की सहायता से जो तथ्य एकत्रित किए जाते हैं उनकी तुलना उन्हीं विन्दुओं पर दूसरे अध्ययनकर्ताओं द्वारा एकत्रित तथ्यों से की जा सकती है। इससे प्राप्त तथ्यों की विश्वसनीयता को जाँच करने के साथ ही साक्षात्कार विधि की प्रामाणिकता और उपयोगिता को समझना भी संभव हो जाता है।

3. उपकल्पना से सम्बन्धित उपयोगी तथ्यों का संकलन :-
किसी भी वैज्ञानिक अध्ययन में उपकल्पना का विशेष महत्व होता है। उपकल्पना अपने एक मानसिक अनुमान से है। साक्षात्कार निर्देशिका के प्रश्नों से एकत्रित किए गये तथ्यों के द्वारा किसी भी उपकल्पना की सत्यता का परीक्षण करना सरल हो जाता है।

4. विशिष्ट प्रकार के ढाल तथ्यों का संकलन :-
साक्षात्कार निर्देशिका अध्ययनकर्ता को बार बार मुख्य विषय के विभिन्न पक्षों का ध्यान दिलाती रहती है। इससे कुछ विशिष्ट प्रकार के ढाल तथ्यों का संग्रह करना सरल हो जाता है।

5. एकरूपता -
साक्षात्कार की प्रक्रिया में साक्षात्कार निर्देशिका एक संतुलक यंत्र के रूप में काम करती है। यह अध्ययनकर्ता एवं उत्तरदाताओं के बीच परस्पर वार्तालाप को एक सीमा में बाँधे रखती है।

6. सांकेतिक भाषा -
साक्षात्कार निर्देशिका में सांकेतिक भाषा का प्रयोग रहता है जिससे अनुसंधानकर्ता को एक विवेकक्षमता एवं निर्णयक्षमता को प्रभावित करता है।

अतएव साक्षात्कार अध्ययन विषय से सम्बन्धित विभिन्न

पक्षों से सूचना संकलन का सहयोगात्मक प्रयत्न है।